आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 83 | उज्जैन, गुरुवार 13 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मध्यप्रदेश, ईज-ऑफ-डूइंग-बिजनेस में भारत में अग्रणी: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

निवेशकों को आकर्षित कर रही है सरल और पारदर्शी प्रक्रिया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश, अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ अब व्यापार और निवेश के क्षेत्र में भी नई पहचान बना रहा है। राज्य सरकार ने व्यापारिक प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए कई दूरदर्शी सुधार लागू किए हैं।

यह पहल राज्य को न केवल देश के भीतर, बल्कि वैश्विक निवेश मानचित्र पर भी प्रमुख स्थान दिला रही है। राज्य सरकार ने व्यापारिक माहौल को अनुकूल बनाने के लिए सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम, डिजिटल अप्रूवल प्लेटफॉर्म, और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी सेवाओं को लागू किया है। इन नवाचारों ने प्रदेश को निवेशकों के लिए एक आकर्षक डेस्टिनेशन बना दिया है।

डिजिटलीकरण का प्रभाव

ऑनलाइन पंजीकरण, लाइसेंसिंग और स्वीकृति प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण ने प्रक्रियाओं को त्वरित और पारदर्शी बनाया है। इससे उद्यमियों के लिए समय और लागत में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

'स्टार्ट योर बिजनेस इन 30 डेज़' पहल

इस योजना के तहत उद्योगों को आवश्यक 22 स्वीकृतियाँ सरल प्रक्रिया के तहत प्रदान की जा रही हैं। साथ ही, नए व्यवसायों को तीन वर्षों तक विभिन्न प्रकार की रियायतें दी जा रही हैं, जिससे उद्यमी सशक्त रूप से स्थापित हो सकें।

निवेशकों के लिए सुविधा

इन्वेस्ट एमपी पोर्टल के माध्यम से निवेशकों को सभी आवश्यक अनुमोदनों की प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से पूरी करने में सहायता मिलती है। इससे प्रदेश में घरेलू और वैश्विक कंपनियों का विश्वास बढ़ा है।

औद्योगिक भूमि आवंटन में पारदर्शिता

भूमि आवंटन प्रक्रिया को पारदर्शी और त्वरित बनाकर निवेशकों को कम समय में औद्योगिक भूमि उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन में सहायता मिल रही है।

भारत में बच्चों के इंस्टा अकाउंट्स पर रहेगा मां बाप की नजर, मेटा ने जारी किया नया फीचर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इंस्टाग्राम यूज करने वाले किशोरों पर अब उनके मां-बाप नजर रख सकेंगे। फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म का संचालन करने वाली कंपनी मेटा ने मेटा के इंस्टाग्राम टीन अकाउंट्स की सुविधा को भारत में भी शुरू करने की मंगलवार को घोषणा की।

फीचर को खासतौर पर किशोरों के लिए बनाया गया है- इस फीचर को खासतौर पर किशोरों के लिए बनाया गया है। इससे नुकसानदायक कंटेंट और अनचाही मैसेजिंग जैसी समस्याओं को रोका जाएगा। टीन अकाउंट्स ऑटोमेटिक रूप से हाई सेफ्टी सेटिंग्स पर रहेंगे। इसमें प्राइवेसी सेटिंग बढ़ाने के साथ मां-बाप की अधिक निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। वे अपने बच्चों के अकाउंट पर नजर रख सकेंगे।

मेटा ने कहा कि वह उम्र की पुष्टि करने वाले तरीकों को भी चाकचौबंद कर रही है। इस आशंका को देखते हुए कि कुछ यूजर्स अपनी आयु गलत बता सकते हैं, इसलिए गलत उम्र बताने पर अतिरिक्त वेरिफिकेशन की जरूरत पड़ेगी।यह घोषणा किशोरों पर इंटरनेट मीडिया के दुष्प्रभावों को लेकर चिंता के बीच की गई है।

लंदन से महंगा हुआ दिल्ली से प्रयागराज जाना, महाकुंभ के विमान किराए की गूंज संसद तक पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्सर हम देखते हैं विमान कंपनियां त्योहारों के अवसर अपने टिकटों की कीमत बढ़ाती हैं और इस बार यह प्रयागराज में महाकुंभ मेला लगा है। दिलचस्प बात यह है कि लंदन की अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट का किराया प्रयागराज महाकुंभ जाने से सस्ता है। मौजूदा समय में दिल्ली से प्रयागराज की टिकट 13 से 80 हजार तक पहुंच गई है। यह लंदन के एक-तरफा टिकट की तुलना में अधिक महंगा हो गया है जो कि 31,342 रुपये है।

सामान्य दिनों में दिल्ली से प्रयागराज जाने के लिए मात्र तीन से पांच हजार ही खर्च करने पड़ते थे लेकिन अब लोगों को ज्यादा जेब ढीली करनी पड़ रही है। कुछ दिन पहले चेन्नई से प्रयागराज तक की एक-तरफा टिकट यात्रा के लिए टिकट की कीमतें 70,996 रुपये तक थीं।

यही स्थिति अन्य प्रमुख शहरों जैसे मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और बेंगलुरु में भी समान है, जहां मुख्य पवित्र स्नान के दिनों में प्रयागराज के लिए टिकट की कीमतें 18,000 रुपये से 41,106 रुपये तक हैं।

मैसूर में पुलिस स्टेशन पर भीड़ ने बोला हमला, सात पुलिसकर्मी घायल; इस वजह से हुआ विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मैसूर के उदयगिरी पुलिस स्टेशन के बाहर मंगलवार को तनाव फैल गया और सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट के विरोध में भारी भीड़ जमा हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति द्वारा अपमानजनक पोस्ट करने के बाद भीड़ ने मंगलवार की रात मैसूर के उदयगिरि पुलिस स्टेशन पर हमला कर दिया, जिसमें सात पुलिसकर्मी घायल हो गए।

पुलिस अधिकारी ने कही ये बात- अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) हितेंद्र के मुताबिक, अपमानजनक पोस्ट के लिए आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, कुछ लोग इस बात से परेशान थे कि उसे जल्द ही छोड़ दिया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि भीड़ हिंसक हो गई और थाने पर धावा बोलने का प्रयास किया, वाहनों को नुकसान पहुंचाया और पुलिसकर्मियों को घायल कर दिया।

सोशल मीडिया पोस्ट के बाद फैला विवाद- नरसिम्हराजा के कांग्रेस विधायक तनवीर सेत ने कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट के बाद हंगामा खड़ा हो गया। भीड़ ने पथराव किया, गाड़ियों में तोड़फोड़ की और थाने पर हमला किया। उन्होंने कहा कि भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

रिपोर्ट के मुताबिक, फेसबुक पोस्ट में सांसद और कांग्रेस नेता राहुल गांधी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अर्धनग्न तस्वीरें दिखाई गईं थी, जिनके शरीर पर अरबी भाषा में कुछ लिखा हुआ था।

सहारा समूह के जमाकर्ताओं को अब तक 2026 करोड़ रुपये वितरित किए- अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को संसद को सूचित किया कि इस साल 28 जनवरी तक सहारा ग्रुप ऑफ कोऑपरेटिव सोसाइटीज के 11.61 लाख जमाकर्ताओं को 2,025.75 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं।

उन्होंने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि यह वितरण सीआरसीएस-सहारा रिफंड पोर्टल के माध्यम से किया जाता है। इस पोर्टल को 29 मार्च, 2023 को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्थापित किया गया था। इसका उद्देश्य वैध जमाकर्ताओं को उनके धन को पुन प्राप्त करने में सहायता करना है।

वर्तमान में आधार से जुड़े बैंक खाते के माध्यम से सत्यापित दावों के विरुद्ध प्रत्येक वास्तविक जमाकर्ता को 50,000 रुपये तक का भुगतान किया जा रहा है। इसके अलावा, जमाकर्ता के आवेदन में किसी भी तरह की कमी पाए जाने पर उन्हें 15 नवंबर, 2023 को लांच किए गए रीसबमिशन पोर्टल के माध्यम से आवेदन को फिर से जमा करने के लिए सूचित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय सहारा समूह के वास्तविक जमाकर्ताओं को भुगतान के लिए हर संभव कदम उठा रहा है।

पायलट अनाज भंडारण परियोजना- शाह ने कहा कि पायलट अनाज भंडारण योजना के तहत 11 राज्यों में स्थित 11 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों में गोदामों का निर्माण पूरा हो गया है।

भ्रष्टाचार में भारत 96वें स्थान पर, तो पाकिस्तान 135वें पायदान पर; जारी हुई भ्रष्ट देशों की सूची

नई दिल्ली (एजेंसी)। भ्रष्टाचार के मामले में भारत 180 देशों की सूची में 96वें पायदान पर पहुंच गया है। मंगलवार को जारी ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, करप्शन परसेप्शन इंडेक्स-2024 में भारत 180 देशों में 96वें स्थान पर है, जबकि वर्ष 2023 में भारत की रैंक 93 थी।

विशेषज्ञों एवं व्यवसायियों के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार के धारणागत स्तरों के आधार पर यह इंडेक्स 180 देशों की रैंकिंग करता है। यह इंडेक्स शून्य से 100 के पैमाने का उपयोग करता है।

पीएम मोदी ने मार्सिले पहुंचते ही वीर सावरकर को क्यों किया याद? वजह है बेहद खास

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय फ्रांस के दौरे पर हैं। यहां से वे अमेरिका के लिए रवाना होंगे। अपने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन पीएम मोदी फ्रांस के बंदरगाह शहर मार्सिले पहुंचे। यहां पर उन्होंने भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया।

फ्रांस के मार्सिले शहर में पीएम मोदी ने स्वतंत्रता सेनानी वीडी सावरकर की स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित की। मार्सिले में उन्होंने विनायक दामोदर सावरकर को याद किया। पीएम मोदी ने वीर सावरकर की तारीफ भी की। जानकारी दें कि मार्सिले से वीडी सावरकर का एक विशेष अध्याय जुड़ता है।

प्रधानमंत्री ने क्या कहा- पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया और लिखा, भारत की स्वतंत्रता की खोज में इस शहर का विशेष महत्व है। यहीं पर महान वीर सावरकर ने साहसपूर्वक भागने का प्रयास किया था। मैं मार्सिले के लोगों और उस समय के फ्रांसीसी कार्यकर्ताओं को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मांग की थी कि उन्हें ब्रिटिश हिरासत में न सौंपा जाए। वीर सावरकर की बहादुरी आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करती है!

मार्सिले शहर और वीर सावरकर

जानकारी के अनुसार ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान सावरकर ने 8, जुलाई, 1910 को अंग्रेजों की कैद से भागने की कोशिश की थी। कहा जाता है कि जब सावरकर को मुकदमे के लिए ब्रिटिश जहाज मोरिया से भारत लाया जा रहा था, इसी दौरान उन्होंने कूदने की कोशिश की।

माना जाता है कि सावरकर ने जहाज के 'पोर्टहोल' (जहाज की एक छोटी सी गोलाकार खिड़की) से फिसलकर बाहर निकलने की कोशिश की। इसके बाद वह तैरकर तट तक पहुंचने में भी कामयाब रहे।

हालांकि, फ्रांसीसी अधिकारियों ने उनको पकड़ लिया और फिर उन्हें ब्रिटिश जहाज अधिकारियों की हिरासत में फिर से भेज दिया। इसके बाद एक बड़ा कूटनीतिक विवाद भी खड़ा हुआ था। बाद में विनायक दामोदर सावरकर को अंडामान-निकोबार द्वीप समूह की सेल्युलर जेल में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

पाकिस्तान में नहीं रुक रहा हिंदुओं पर अत्याचार, बलूचिस्तान में दो लोगों की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के कीच जिले के तुरबत क्षेत्र में दो हिंदुओं की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। संदिग्ध आतंकियों के हमले में एक अन्य हिंदू नागरिक घायल हो गया है।पाकिस्तान की पुलिस ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि हरिलाल और मोतीलाल नाम के दो हिंदुओं की सोमवार शाम को एक हमले में गोलीमारकर हत्या कर दी गई जबकि एक अन्य हिंदू शेरोमल घायल हो गया है।

किसी आतंकी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली- इसके अलावा, इस हमले में एक और व्यक्ति की भी मौत हुई है। डीआइजी अरसलान खोकर ने बताया कि दो नकाबपोश बाइक पर सवार होकर आए और बाजार के पास स्थित एक मकान के बाहर चार लोगों को फायरिंग कर दी। इस हमले की अभी तक किसी आतंकी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि मारे गए तीनों लोग व्यापारी हैं और संभवत- किसी व्यापारिक रंजिश के चलते उन पर गोलीबारी की गई है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने इस घटना की निंदा की है।

इटली में सिसिली के माफिया पर बड़ी कार्रवाई, 130 गिरफ्तार- इटली के पलेर्मो में मंगलवार को सिसिली के माफिया के खिलाफ बड़े पैमाने पर की गई छापेमारी में 130 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पलेर्मो और उसके आसपास स्थित माफिया सिंडिकेट कोसा नोस्ट्रा ने पिछली सदी के नौवें और अंतिम दशक में कहर बरपाया था।

33 संदिग्धों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी- कैराबिनिएरी पुलिस ने बयान में कहा कि मंगलवार को गिरफ्तार किए गए संदिग्धों पर विभिन्न आरोप लगाए गए हैं, जिनमें मादक पदार्थों की तस्करी, हत्या का प्रयास, शामिल है। 33 संदिग्धों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए हैं। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने एक्स पर पोस्ट कर सिसिली माफिया के खिलाफ कार्रवाई की सराहना की। कहा कि इससे कोसा नोस्ट्रा को बहुत बड़ा झटका लगा है।

सलमान रुश्दी ने बयां की आपबीती, चाकू हमले का दिया विवरण- सलमान रुश्दी ने आपबीती बयां करते हुए मंगलवार को वर्ष 2022 के उन भयावह क्षणों को बारे में बताया जब न्यूयार्क में नकाबपोश व्यक्ति ने उन पर चाकू से कई वार किए थे, जिससे उनकी जान को खतरा हो गया था।

रुश्दी ने हमले के आरोपित हादी मतार के खिलाफ मुकदमे में जूरी सदस्यों से समक्ष गवाही देते हुए कहा, मैंने उसे आखिरी क्षण में ही देखा था। उसकी आंखें बहुत क्रूर लग रही थीं। पहले तो लगा कि चाकू से हमला करने वाला हमलावर मुक्का मार रहा है।

अंतरिक्ष से आई खुशखबरी! जल्द धरती पर लौटेंगी सुनीता विलियम्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स की वापसी को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। नासा और स्पेसएक्स एजेंसी के स्पेसएक्स क्रू-9 अंतरिक्ष यात्रियों सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को जल्द से जल्द सुरक्षित रूप से वापस लाने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं।

नासा ने जानकारी दी है कि दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को निर्धारित समय से थोड़ा पहले ही पृथ्वी पर वापस लाा जा सकता है। दोनों अंतरिक्ष यात्री पिछले साल जून से अंतरिक्ष में फंसे हैं।

NASA ने मंगलवार को कहा का स्पेसएक्स आगामी अंतरिक्ष यात्री उड़ाने के लिए कैप्सूल बदलेगा, ताकि बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स को मार्च के अंत या अप्रैल की शुरुआत के बजाय मार्च के बीच महीने में ही वापस लाया जा सके।

10 दिनों की अंतरिक्ष यात्रा पर गई थी सुनीता विलियम्स- बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान में सवार होकर आईएसएस के लिए रवाना हुए थे। अंतरिक्ष पर दोनों यात्रियों को महज 10 दिन ही बिताना था।

अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने के बाद, नासा और बोइंग ने अंतरिक्ष यान में समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए हफ्तों तक काम किया लेकिन अंततः यह निर्णय लिया गया कि चालक दल के साथ स्टारलाइनर को वापस करना बहुत कठिन था।

नासा ने मंगलवार को बताया कि एजेंसी का क्रू-10 लॉन्च अब मिशन की तैयारी और एजेंसी की उड़ानी तैयारी प्रक्रिया के प्रामाणीकरण के पूरा होने के बाद 12 मार्च को लक्षित है।

सुनीता विलियम्स की वापसी पर ट्रंप लगातार ले रहे अपडेट- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी लगातार सुनीता विलियम्स की वापसी को लेकर जानकारी लेते रहते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर बताया कि उन्होंने एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स से कहा कि वह मार्च के अंत तक दोनों अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी सुनिश्चित करें।

उम्मीद है कि वह सभी वहां सुरक्षित हैं। इन अंतरिक्ष यात्रियों को लंबे समय से वापसी का इंतजार है। वहीं, एलन मस्क ने भी अपनी एक पोस्ट में कहा कि यह बहुत ही भयावह है कि बाइडन प्रशासन ने इन अंतरिक्ष यात्रियों को लंबे समय से वहां पर छोड़ दिया है।

तुम मुझे खुश करो, मैं तुम्हें करूं; रूस-US में पकी नई खिचड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दूसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद अपने पहले संबोधन में डोनाल्ड ट्रंप ने इस बात के मजबूत संकेत दिए थे कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए अहम कदम उठा सकते हैं। उन्होंने दुनियाभर में शांति दूत के रूप में खुद को स्थापित करने की इच्छा भी जताई थी। तभी से ये कयास लगाए जा रहे थे कि ट्रंप रूस और यूक्रेन को युद्ध रोकने के लिए राजी करा सकते हैं। हाल ही में ट्रंप ने अपने विशेष दूत स्टीव विटकॉफ को पहली यात्रा पर मॉस्को भेजा था। उनकी इस यात्रा के बाद रूस ने अमेरिका के साथ रिश्तों में गर्मजोशी दिखाते हुए ड्रग तस्कारी के आरोप में 2021 से कैद अमेरिकी नागरिक मार्क फोगेल को रिहा कर दिया।

फोगेल रिहा होकर मंगलवार की रात ट्रंप से मिलने व्हाइट हाउस पहुंचे थे। इस रिहाई से ट्रंप काफी खुश दिखे। एक चुनावी रैली के दौरान ट्रंप ने फोगेल की 95 वर्षीय मां से वादा किया था कि वह उनके बेटे को आजाद कराकर रहेंगे। ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा कि रूस ने हमारे साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि एक और अमेरिकी नागरिक को रूस बुधवार को छोड़ने वाला है।

बांग्लादेश में दिसंबर तक आम चुनाव कराने की तैयारी, ढाका में तसलीमा की किताबों को बनाया निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में दिसंबर तक आम चुनाव कराने की तैयारी शुरू कर दी गई है। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को कहा कि दिसंबर तक आम चुनाव कराने को लेकर तैयारियां चल रही हैं। पिछले सप्ताह देशभर में हुई तोड़फोड़ की घटनाओं के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने चुनाव कराने के प्रस्ताव पर सहमति दी है।

दिसंबर में राष्ट्रीय चुनावों को कराने की तैयारी- निर्वाचन आयोग के इस बयान से एक दिन पहले यूनुस ने पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को दिसंबर तक चुनाव कराने का आश्वासन दिया।

चुनाव आयुक्त अब्दुल फजल मोहम्मद सनाउल्ला ने पत्रकारों से कहा, हम दिसंबर में राष्ट्रीय चुनावों को कराने की तैयारी कर रहे हैं।

उन्होंने यहां संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और यूरोपीय यूनियन के प्रतिनिधियों के अलावा 17 पश्चिमी और अन्य देशों के राजनयिकों के साथ बैठक के बाद यह जानकारी दी। बैठक में मौजूद रहे यूएन के स्थानीय प्रतिनिधि स्टीफन लिलर ने कहा, हम स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग का समर्थन कर रहे हैं।

गाजा फिलिस्तीनियों का अभिन्न अंग है और..., ट्रंप के प्लान को चीन ने दी चुनौती; अब क्या करेगा अमेरिका?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड के गाजा प्लान से दुनिया चिंतित है। पिछले 15 महीनों में युद्ध की वजह से नरक बन चुके गाजा को ट्रंप, मिडिल ईस्ट की सबसे खूबसूरत जगह बनाने का दावा कर रहे हैं।

दरअसल, अमेरिका गाजा पर कब्जा कर उसे फिर से संवारना चाहता है। हालांकि, ट्रंप का मकसद है कि फलस्तीनियों को गाजा से विस्थापित किया जाए।

चीन ने ट्रंप के प्लान पर जताई नाराजगी- ट्रंप के इस प्लान से दुनिया हैरान है। इसी बीच गाजा को लेकर चीन ने बड़ा बयान दिया है। चीन ने बुधवार को कहा कि गाजा से जबरदस्ती फलस्तीनियों को बाहर करना गलत है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने एक नियमित प्रेस ब्रीफिंग में कहा, गाजा फिलिस्तीनियों का है और फिलिस्तीनी क्षेत्र का अभिन्न अंग है। हम गाजा के लोगों के जबरन विस्थापन का विरोध करते हैं।

गाजा को लेकर क्या है ट्रंप का प्लान- ट्रंप के इस फैसले से 18 लाख फिलिस्तीनियों पर गाजा से बाहर होने का खतरा मंडराने लगा है। ट्रंप इस क्षेत्र को सैनिकों की मदद से अपने कब्जे में लेकर इसका विकास करना चाहते हैं। ट्रंप ऐसा करते हैं तो उनका यह कदम इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष के प्रति अमेरिका की दशकों पुरानी नीति से एकदम विपरीत होगा।

टंप के गाजा को लेकर दिए गए इस प्रस्ताव को अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन भी माना जा रहा है। कई देशों ने तो यहां तक कह दिया है कि यह तो जातीय सफाया वाला प्रस्ताव है।

मार्सिले में दूतावास, IMEC प्रोजेक्ट, परमाणु ऊर्जा...भारत के लिए क्यों खास है फ्रांस का ये शहर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज फ्रांस में तीसरा दिन है। इस दौरान वो फ्रांस के मशहूर शहर मार्सिले में रहेंगे, जहां वे भारत के नए वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन करेंगे। फ्रांसीसी दौरा समाप्त करने के बाद, वह 13 फरवरी को अमेरिका की यात्रा पर निकलेंगे।

10 फरवरी को वे पेरिस पहुंचे थे। आज फ्रांस दौरे के आखिरी दिन वो क्या-क्या करेंगे। अब आपको उनका पूरा कार्यक्रम बताते हैं।

उनकी तीन दिवसीय फ्रांस यात्रा के आखिरी दिन, एजेंडे में भारत-फ्रांस संबंधों को गहरा करने के कार्यक्रम हैं।

इनमें देश में भारत के दूसरे वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन और मजारगुएस युद्ध कब्रिस्तान में प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक समारोह शामिल है।

इसके अलावा, पीएम मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अंतर्राष्ट्रीय परमाणु फ्यूजन सहयोग, अंतर्राष्ट्रीय थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर (आईटीईआर) परियोजना का भी दौरा करेंगे।

मार्सिले में क्या खास बात है- भूमध्यसागरीय तट पर अपनी रणनीतिक स्थिति के कारण मार्सिले भारत और फ्रांस के बीच व्यापार का एक प्रमुख प्रवेश द्वार है, यह भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के प्रवेश बिंदुओं में से एक है। ढ्ढरूश्वष्ट परियोजना की घोषणा त्र20 शिखर सम्मेलन 2023 के दौरान नई दिल्ली में की गई थी।

यह परियोजना भारत के पश्चिमी तट को यूरोप से पश्चिम एशिया के माध्यम से जोड़ने की परिकल्पना करती है।

इंडिया में निवेश करने का सही समय, सीईओ फोरम में पीएम मोदी ने समझाया क्यों अहम है भारत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन दिवसीय यात्रा पर फ्रांस पहुंचे हुए हैं। उन्होंने इस दौरान पेरिस में भारत-फ्रांस सीईओ फोरम को संबोधित किया। संबोधन में पीएम मोदी ने दुनियाभर के सीईओ से कहा कि भारत में आने का यही सही समय है।

भारत-फ्रांस सीओई फोरम में पीएम मोदी ने कहा कि आज दो बेस्ट बिजनेस माइंड का संगम हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिजनेस के लिए भारत आने का यह सही समय है क्योंकि देश एक मजबूत व्यवसाय-सही माहौल और नीति निरंतरता प्रदान करते हुए 2047 तक विकसित भारत बनने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रहा है। पीएम ने संबोधन में क्या कहा?

14वें भारत-फ्रांस सीईओ फोरम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह बैठक भारत और फ्रांस के सर्वश्रेष्ठ कारोबारी दिमागों का संगम है।

पीएम मोदी ने कहा, मैं देख रहा हूं कि आप सभी इनोवेट, कोलैबोरेट और इंटीग्रेटेड के मंत्र के साथ काम कर रहे हैं। आप सिर्फ संबंध ही नहीं बना रहे हैं, आप भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को भी मजबूत कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, राष्ट्रपति मैक्रों के साथ इस शिखर सम्मेलन में शामिल होना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। पिछले दो सालों में यह हमारी छठी बैठक है। पिछले साल, राष्ट्रपति मैक्रों हमारे गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि थे। आज सुबह, हमने एआई एक्शन शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की।

महिला दिवस से पहले आंध्र प्रदेश की महिलाओं को सीएम नायडू ने दिया बड़ा तोहफा, अब नहीं आना होगा ऑफिस

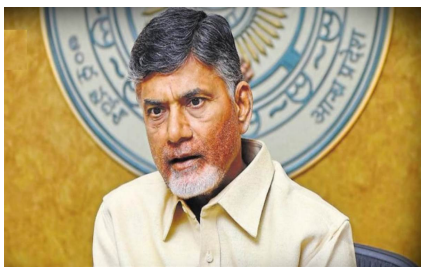

नई दिल्ली (एजेंसी)। मार्च के महीने में महिला दिवस मनाया जाता है और इससे पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने प्रदेश की कामकाजी महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है।

मुख्यमंत्री ने महिलाओं के लिए वर्क फ्रॉम होम की घोषणा करते हुए कहा कि, यह फैसला कार्यक्षेत्र में महिलाओं की प्रोडक्टिविटी को और बेहतर बनाएगा।

सीएम नायडू ने कहा कि, कोरोना काल के दौरान वर्क फ्रॉम होम कल्चर की वजह से काम करने के तरीकों में बड़ा बदलाव आया है और टेक्नोलॉजी के कारण घर बैठे काम करना आसाम भी हुआ है। रिमोट वर्क, कोवर्किंग स्पेस और नेबरहुड वर्कस्पेस जैसी व्यवस्थाएं बिजनेस और काम करने वालों के ज्यादा बेहतर साबित हुआ है।

ट्वीट कर सीएम ने दी अहम जानकारी- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर सीएम चंद्रबाबू नायडू ने लिखा, इस तरह की पहल हमें बेहतर कार्य-जीवन संतुलन बनाने में मदद कर सकती है। यह पहल आंध्र प्रदेश का IT और GCC नीति 4.0 की उस दिशा में एक गेम-चेंजिंग कदम है।

झगड़े के बाद पति ने की पत्नी की हत्या, शव के साथ बिताई पूरी रात फिर पहुंचा पुलिस स्टेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्रिपुरा से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 40 साल के शख्स ने अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है।

पुलिस अधिकारी ने बताया, 40 साल के शख्स ने त्रिपुरा में पत्नी से झगड़े के बाद उसको मौत के घाट उतार दिया।

इसके बाद उसने शव के साथ कई घंटे बिताए और फिर अपने अपराध की रिपोर्ट करने के लिए पुलिस स्टेशन चला गया। आरोपी पति का नाम श्यामल दास बताया जा रहा है।

पश्चिम त्रिपुरा जिले के अमताली पुलिस थाना क्षेत्र के निवासी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस स्टेशन के उप-निरीक्षक श्यामल पॉल ने इस मामले में कहा कि श्यामल दास ने सोमवार रात कुछ पारिवारिक मुद्दों पर अपनी पत्नी स्वप्ना से झगड़ा किया और उस पर किसी वस्तु से हमला कर दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पहले भी आया था ऐसा मामला- इससे पहले त्रिपुरा के पश्चिम जिले में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी और उसके शरीर के दो टुकड़े कर दिए थे।

पीएम मोदी को हराना चाहता था अमेरिका, रची थी बड़ी साजिश, US के पूर्व विदेश विभाग अधिकारी के दावे से मची खलबली

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व विदेश विभाग के अधिकारी माइक बेंज ने आरोप लगाया है कि अमेरिका ने भारत के आंतरिक राजनीति में दखल दिया है। इतना ही नहीं अमेरिका ने बांग्लादेश की राजनीति में भी दखल देने की कोशिश की है।

उन्होंने दावा किया है कि अमेरिका ने मीडिया प्रभाव, सोशल मीडिया सेंसरशिप और विपक्षी आंदोलनों को वित्तीय सहायता के माध्यम से भारत की राजनीति को प्रभाव डालने की कोशिश की है।

बेंज का आरोप है कि अमेरिकी सरकार से जुड़ी संस्थाओं ने लोकतंत्र को बढ़ावा देने की आड़ में चुनावों को प्रभावित करने, सरकारों को अस्थिर करने और उसके अनुरूप सरकार बनाने की कोशिश की है।

USAID जैसी संस्थाओं ने भारत के 2019 के लोकसभा चुनावों को प्रभावित करने का प्रयास किया है। इस संस्था ने फंडिंग के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के खिलाफ चुनावी नैरेटिव तैयार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट करते हुए यह जानकारी दी है।

मोदी सरकार समर्थित कंटेंट पर रोक लगाने की हुई कोशिश- रिपोर्ट

बेंज का दावा है कि अमेरिकी विदेश विभाग ने फेसबुक, वॉट्सऐप, यूट्यूब और ट्विटर जैसी बड़ी टेक कंपनियों पर प्रभाव डालते हुए मोदी समर्थक कंटेंट पर रोक लगाने की कोशिश की। बता दें कि साल 2019 के जनवरी महीने में वॉट्सऐप ने मैसेज फॉरवर्डिंग की सीमा कर दी थी।

मुफ्त सुविधाओं के कारण लोग काम करने को तैयार नहीं, रेवड़ियां बांटने पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव से पहले मुफ्त सुविधाओं का एलान करने की प्रथा की निंदा की और कहा कि लोग काम करने के इच्छुक नहीं हैं क्योंकि उन्हें मुफ्त राशन और पैसा मिल रहा है। कोर्ट ने राजनीतिक पार्टियों के मुफ्त के वादे करने पर नाराजगी जाहिर की है।

ये टिप्पणियां न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने की। कोर्ट में बेघर लोगों को शहरी इलाकों में आश्रय स्थल मुहैया कराने की मांग को लेकर सुनवाई चल रही थी।

न्यायमूर्ति गवई ने कहा, दुर्भाग्य से, इन मुफ्त सुविधाओं के कारण... लोग काम करने को तैयार नहीं हैं। उन्हें मुफ्त राशन मिल रहा है। उन्हें बिना कोई काम किए राशि मिल रही है।

सुप्रीम ने कोर्ट में क्या कहा- पीठ ने कहा, हम उनके प्रति आपकी चिंता की सराहना करते हैं। मुफ्त राशन और पैसा देने की जगह क्या ये अच्छा नहीं होगा कि इन लोगों को समाज की मुख्य धारा में शामिल किया जाए और देश के विकास में इन्हें भी योगदान देने का मौका मिले।

अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने पीठ को बताया कि केंद्र शहरी गरीबी मिशन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है, जो शहरी बेघरों के लिए आश्रय के प्रावधान सहित विभिन्न मुद्दों का समाधान करेगा।

पीठ ने अटॉर्नी जनरल से केंद्र से यह साफ करने को कहा कि शहरी गरीबी उन्मूलन मिशन कितने समय के अंदर लागू किया जाएगा।

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई छह हफ्ते के लिए टाल दी।

चुनाव में फ्री को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने की थी टिप्पणी- इसके पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी टिप्पणी की थी। तब कोर्ट ने राज्यों की तरफ से दी जा रही मुफ्त की रेवड़ियों को लेकर बयान दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्य सरकारों के पास मुफ्त की योजनाओं के लिए पैसा है, लेकिन जजों की सैलरी और पेंशन के लिए पैसा नहीं है।

शीना बोरा हत्याकांड में इंद्राणी मुखर्जी को कोर्ट से मिला झटका, विदेश जाने पर लगी रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के चर्चित शीना बोरा हत्याकांड मामले में इंद्राणी मुखर्जी को सर्वोच्च न्यायालय से तगड़ा झटका लगा है। इंद्राणी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर विदेश यात्रा की इजाजत मांगी थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

दरअसल, अपनी बेटी शीना बोरा की हत्या की आरोपी इंद्राणी मुखर्जी ने विदेश यात्रा के लिए याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज कर निचली अदालत को इस मामले में तेजी से सुनवाई करने का निर्देश दिया है।

इंद्राणी ने दी थी बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती - बता दें, बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी इंद्राणी को विदेश यात्रा की अनुमति नहीं दी थी, जिसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने निचली अदालत को एक साल के अंदर कार्यवाही पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

सीबीआई और इंद्राणी की दलीलें- इंद्राणी द्वारा सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने के खिलाफ सीबीआई के वकील ने कोर्ट में दलील दी थी कि, यह संवेदनशील मामला है और करीब आधी सुनवाई हो चुकी है। अभी तक 96 गवाहों से पूछताछ हो चुकी है। हालांकि, इंद्राणी के वकील ने कहा कि, उन्हें शीर्ष अदालत ने जमानत दे दी है और अभी भी 92 गवाहों से पूछताछ बाकी है। निचली अदालत में पिछले चार महीनों से कोई सुनवाई नहीं हुई है।

क्या है मामला- दरअसल, 19 जुलाई को एक विशेष अदालत ने इंद्राणी के अगले तीन महीनों में स्पेन और ब्रिटेन की 10 दिनों की यात्रा के अनुरोध को स्वीकार कर लिया था। इसके बाद यात्रा प्रतिबंध का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था।

सीबीआई ने हाई कोर्ट का रुख किया था, जहां हाई कोर्ट ने 27 सितंबर को विशेष अदालत के आदेश को रद्द कर दिया था। इसके बाद इंद्राणी सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी, जहां से उन्हें झटका मिला है।

मुंबई में गुलियन बैरे सिंड्रोम से पहली मौत, महाराष्ट्र में अब तक 8 लोगों की गई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में गुलियन बैरे सिंड्रोम (जीबीएस वायरस) के कारण पहली मौत हुई है। अधिकारियों ने बताया कि संक्रमित शख्स की मौत बुधवार को हुई है। जीबीएस वायरस से महाराष्ट्र में कम से कम 197 लोग संक्रमित हैं और अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है।

बृहन्मुंबई नगर निगम के आयुक्त ने भी पुष्टि की कि लंबी बीमारी के बाद नायर अस्पताल में 53 वर्षीय एक मरीज की मौत हुई है। अधिकारियों ने बताया कि मृतक वडाला इलाके का निवासी है और एक अस्पताल में वार्ड बॉय के तौर पर काम करता था। वह 15 दिन पहले पुणे गया था,जहां जीबीएस का संक्रमण तेजी से फैल रहा है।

अस्पताल में कब कराया गया भर्ती- पीड़ित शख्स को 23 जनवरी को मुंबई में एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मरीज के पैरों में दर्द की शिकायत थी। वह कई दिनों तक गंभीर हालत में रहे।

बीएमसी की ओर से जारी किए गए बयान में बताया गया है कि पीड़ित मरीज को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी जिसके बाद उन्हें आईसीयू में वेंटिलेटर पर रखा गया था और मंगलवार को उनकी मौत हो गई। बीएमसी ने कहा कि मरीज में बुखार और दस्त जैसे लक्षण नहीं दिखे थे।

महाराष्ट्र में गुलियन बैरे सिंड्रोम के कितने मामले- बीएमसी की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि पुणे रीजन में मंगलवार तक 197 संदिग्ध संक्रमितों की पहचान की जा सकी है। इसके अलावा नगर निकाय ने यह भी बताया कि पुणे रीजन में जीबीएस से 7 लोगों की मौत हो चुकी है।

बयान के मुताबिक, मुंबई के सभी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज जीबीएस मरीजों के इलाज के लिए तैयार हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com
jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

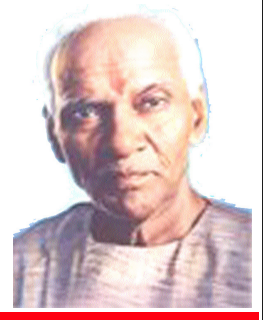

विक्रम संवत 2079 फाल्गुन प्रतिपदा

संपादकीय

वैश्विक स्तरपर दुनियां के हर देश में विकास की एक आंधी सी चल रही है

वैश्विक स्तरपर दुनियां के हर देश में विकास की एक आंधी सी चल रही है। हर देश वैश्विक वित्तीय मंचों संस्थाओं से अपने देश के लिए धन आवंटित कराने की दिशा में कार्य कर रहे हैं, ताकि अपने देश को आधुनिकता की दिशा में आगे बढ़ा सकें।भारत ने भी अपना विज़न 2047 रूपी विकसित भारत का विकासपत्र तैयार किया है, जिसमें आगे बढ़ाने की प्लान हमने पूर्ण बजट 1 फ़रवरी 2025 में भी देखें। परंतु इस बजट में ध्यान देने योग्य बात यह है कि माननीय वित्तमंत्री ने अपने बजट भाषण में देश के विकास पथ में विकास और विरासत दोनों पर सरकार के जोर को रेखांकित किया जो ध्यान देने योग्य बात है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए संस्कृति मंत्रालय के लिए बजट में 100 करोड़ रुपये की वृद्धि करते हुए 3360.96 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं. मंत्रालय के भीतर, एक बड़ा हिस्सा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को गया है,जिसे 2024- 25 में आवंटित 1273.91 करोड़ रुपये के मुकाबले 1,278.49 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसे संशोधित कर 1191.99 करोड़ रुपये कर दिया गया था.सरकार कल्चरल डेवलपमेंट तो चाहती है, लेकिन इसने शताब्दी और वर्षगांठ मनाने के लिए कार्यक्रमों के आयोजन में होने वाले बजट में बहुत कमी कर दी है, इन आयोजनों के लिए बजट 2024-25 में 110 करोड़ रुपये से घटाकर 2025-26 में सिर्फ 35 करोड़ रुपये कर दिया गया है। हालांकि, बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, संविधान दिवस की 75वीं वर्षगांठ और अहिल्या बाई होल्कर की 300 वीं जयंती जैसे प्रमुख समारोह अभी भी सरकार के समर्थन से मनाए जाएंगे अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक सहयोग के लिए निर्धारित धनराशि में तीव्र गिरावट देखी गई है। 2024-25 में 10.50 करोड़ रुपये से 2025-26 में 4.65 करोड़ कर दी गई है एएसआई वह एजेंसी है जिसे यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों सहित 3,693 केंद्रीय संरक्षित स्मारकों के संरक्षण, संरक्षण और विकास का कार्य सौंपा गया हैअन्य आवंटनों के अलावा, राष्ट्रीय पुस्तकालयों और अभिलेखागार के लिए 156.55 करोड़ रुपये अलग रखे गए हैं,जो ऐतिहासिक अभिलेखों और दस्तावेजों के रखरखाव को सुनिश्चित करते हैं।राष्ट्रीय संग्रहालय और राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी जैसे संग्रहालयों को सांस्कृतिक संरक्षण प्रयासों को बढ़ाने के लिए 126.63 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे. प्राचीन लिपियों के संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए, पांडुलिपियों के लिए राष्ट्रीय मिशन को 60 करोड़ रुपये मिलेंगे, जो पिछले वर्षों की तुलना में काफी अधिक है।इस बीच, सांस्कृतिक मानचित्रण पर राष्ट्रीय मिशन के लिए 22.46 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं, जिसका उद्देश्य एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के तहत सांस्कृतिक गतिविधियों को समेकित करना है।सरकार संगीत नाटक अकादमी, साहित्य अकादमी, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र जैसे स्वायत्त सांस्कृतिक संस्थानों को महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखेगी।इन निकायों को सामूहिक रूप से 411.42 करोड़ रुपये मिलेंगे, इसके अतिरिक्त, विक्टोरिया मेमोरियल और भारतीय संग्रहालय सहित संग्रहालयों को उनके प्रदर्शन और आउटरीच कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए 379.58 करोड़ रुपये दिए गए हैं। हमें भारत की पौराणिक व पारंपरिक संस्कृति विरासत पांडुलिपि धरोहर स्मारकों को सहेज कर रखने के लिए हमारी नई पीढ़ी, युवाओं को जागरूक करने की अत्यंत आवश्यकता है, जिसके लिए सरकार ने भी मेरा गांव मेरी धरोहर, भारतीय संस्कृति व विरासत के बारे में युवाओं में जागरूकता फैलाने व राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन तथा राष्ट्रीय संस्कृति कोष जैसी योजनाएं चल रहा है।चूंकि आधुनिक विकास की आंधी में भारतीय संस्कृति विरासत पुरातत्व पांडुलिपि को बचाना अत्यंत जरूरी है।

सरोजिनी नायडू

सरोजिनी नायडू सुप्रसिद्ध कवयित्री और भारत देश के सर्वोत्तम राष्ट्रीय नेताओं में से एक थीं। वह भारत के स्वाधीनता संग्राम में सदैव आगे रहीं। उनके संगी साथी उनसे शक्ति, साहस और ऊर्जा पाते थे। युवा शक्ति को उनसे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती थी। बचपन से ही कुशाग्र-बुद्धि होने के कारण उन्होंने 13 वर्ष की आयु में लेडी ऑफ़ दी लेक नामक कविता रची। वे 1895 में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए इंग्लैंड गईं और पढ़ाई के साथ-साथ कविताएँ भी लिखती रहीं। गोल्डन थ्रैशोल्ड उनका पहला कविता संग्रह था। उनके दूसरे तथा तीसरे कविता संग्रह बर्ड ऑफ टाइम तथा ब्रोकन विंग ने उन्हें एक सुप्रसिद्ध कवयित्री बना दिया।

जीवन परिचय - सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फ़रवरी, सन् 1879 को हैदराबाद में हुआ था। अघोरनाथ चट्टोपाध्याय और वरदा सुन्दरी की आठ संतानों में वह सबसे बड़ी थीं। अघोरनाथ एक वैज्ञानिक और शिक्षाशास्त्री थे। वह कविता भी लिखते थे। माता वरदा सुन्दरी भी कविता लिखती थीं। अपने कवि भाई हरीन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय की तरह सरोजिनी को भी अपने माता-पिता से कविताङ्कसृजन की प्रतिभा प्राप्त हुई थी। अघोरनाथ चट्टोपाध्याय निज़ाम कॉलेज के संस्थापक और रसायन वैज्ञानिक थे। वे चाहते थे कि उनकी पुत्री सरोजिनी अंग्रेज़ी और गणित में निपुण हों।

साहित्यिक परिचय- सरोजिनी नायडू अपनी शिक्षा के दौरान इंग्लैंड में दो साल तक ही रहीं किंतु वहाँ के प्रतिष्ठित साहित्यकारों और मित्रों ने उनकी बहुत प्रशंसा की। उनके मित्र और प्रशंसकों में एडमंड गॉस और आर्थर सिमन्स भी थे। उन्होंने किशोर सरोजिनी को अपनी कविताओं में गम्भीरता लाने की राय दी। वह लगभग बीस वर्ष तक कविताएँ और लेखन कार्य करती रहीं और इस समय में, उनके तीन कविता-संग्रह प्रकाशित हुए। उनके कविता संग्रह बर्ड ऑफ़ टाइम और ब्रोकन विंग ने उन्हें एक प्रसिद्ध कवयित्री बनवा दिया। सरोजिनी नायडू को भारतीय और अंग्रेज़ी साहित्य जगत की स्थापित कवयित्री माना जाने लगा था किंतु वह स्वयं को कवि नहीं मानती थीं।

राजनीतिक जीवन - देश की राजनीति में क़दम रखने से पहले सरोजिनी नायडू दक्षिण अफ़्रीका में गांधी जी के साथ काम कर चुकी थी। गांधी जी वहाँ की जातीय सरकार के विरुद्ध संघर्ष कर रहे थे और सरोजिनी नायडू ने स्वयंसेवक के रूप में उन्हें सहयोग दिया था। भारत लौटने के बाद तुरन्त ही वह राष्ट्रीय आंदोलन में सम्मिलित हो गईं। शुरू से ही वह गांधी जी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रति वफ़ादार रहीं। उन्होंने विद्यार्थी और युवाओं की सभाओं में भाषण दिए। अनेक शहरों और गाँवों में महिलाओं और आम सभाओं को सम्बोधित किया। सरोजिनी नायडू का स्वास्थ्य कभी अच्छा नहीं रहा। लेकिन उनका मनोबल दृढ़ था। युवावस्था में नहीं, बल्कि बड़ी उम्र होने पर भी वह जोश और उत्साह के साथ काम करती रहीं। यह देखकर सब विस्मित रह जाते थे। उनके साथियों और प्रशंसकों को हैरानी होती थी कि इतनी अजेय शक्ति उन्होंने कहाँ से पाई है।

स्वतंत्रता संग्राम में योगदान- वास्तव में सन् 1930 के प्रसिद्ध नमक सत्याग्रह में सरोजिनी नायडू गांधी जी के साथ चलने वाले स्वयंसेवकों में से एक थीं। गांधी जी की गिरफ्तारी के बाद गुजरात में धरासणा में लवण-पटल की पिकेटिंग करते हुए जब तक स्वयं गिरफ्तार न हो गईं तब तक वह आंदोलन का संचालन करती रहीं। धरासणा वह स्थान था जहाँ पुलिस ने शान्तिमय और अहिंसक सत्याग्रहियों पर घोर अत्याचार किए थे। सरोजिनी नायडू ने उस परिस्थिति का बड़े साहस के साथ सामना किया और अपने बेजोड़ विनोदी स्वभाव से वातावरण को सजीव बनाये रखा। नमक सत्याग्रह खत्म कर दिया गया। गांधी-इरविन समझौते पर गांधी जी और भारत के वाइसराय लॉर्ड इरविन ने हस्ताक्षर किये। यह एक राजनीतिक समझौता था। बाद में गांधी जी को सन् 1931 में लंदन में होने वाले दूसरे गोलमेज सम्मेलन में आने के लिए आमंत्रित किया गया। उसमें भारत की स्व-शासन की माँग को ध्यान में रखते हुए संवैधानिक सुधारों पर चर्चा होने वाली थी। उस समय गांधी जी के साथ, सम्मेलन में शामिल होने वाले अनेक लोगों में से सरोजिनी नायडू भी एक थीं। सन् 1935 के भारत सरकार के एक्ट ने भारत को कुछ संवैधानिक अधिकार प्रदान किए। लम्बी बहस के बाद, कांग्रेस, देश की प्रांतीय विधानसभाओं में प्रवेश करने के लिए तैयार हो गयी। उसने चुनाच लड़े और देश के अधिकतर प्रांतों में अपनी सरकारें बनाई जिन्हें अंतरिम सरकारों का नाम दिया गया।

निर्भीक व्यक्तित्व- सरोजिनी नायडू ने भय कभी नहीं जाना था और न ही निराशा कभी उनके समीप आई थी। वह साहस और निर्भीकता का प्रतीक थीं। पंजाब में सन् 1919 में जलियांवाला बाग में हुए हत्याकांड के बारे में कौन नहीं जानता होगा। आम सभाओं पर जनरल डायर के द्वारा लगाय गए प्रतिबंध के विरोध में जमा हुए सैकड़ों नर-नारियों की निर्दयता से हत्या कर दी गई थी। वैसे भी रॉलेट एक्ट के पारित होने से देश में पहले से ही काफ़ी तनाव था। इस एक्ट ने न्यायाधीश को राजनीतिक मुक़दमों को बिना किसी पैरवी के फैसला करने और बिना किसी क़ानूनी कार्रवाई के संदिग्ध राजनीतिज्ञों को जेल में डालने की छूट दे दी थी। जलियांवाला हत्याकांड को लेकर समस्त देश में क्रोध भड़क उठा। उस पाशविक अत्याचार की गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के मन में उग्र प्रतिक्रिया हुई और उन्होंने अपनी नाइट हुड की पदवी लौटा दी। सरोजिनी नायडू ने भी अपना कैसर-ए-हिन्द का ख़िताब वापस कर दिया जो उन्हें सामाजिक सेवाओं के लिय कुछ समय पहले ही दिया गया था। अहमदाबाद में गांधी जी के साबरमती आश्रम में स्वाधीनता की प्रतिज्ञा पर हस्ताक्षर करने वाले आरम्भिक स्वयं सेवकों में वह एक थीं। गांधीजी शुरू में यह नहीं चाहते थे कि महिलाएँ सत्याग्रह में सक्रिय रूप से भाग लें। उनकी प्रवृत्तियों को गांधी जी कताई, स्वदेशी, शराब की दुकानों पर धरना आदि तक सीमित रखना चाहते थे। लेकिन सरोजिनी नायडू, कमला देवी चट्टोपाध्याय और उस समय की देश की प्रमुख महिलाओं के आग्रह को देखते हुए उन्हें अपनी राय बदल देनी पड़ी।

स्मृति में डाक टिकट- 13 फ़रवरी, 1964 को भारत सरकार ने उनकी जयंती के अवसर पर उनके सम्मान में 15 नए पैसे का डाक टिकट भी चलाया। इस महान् देशभक्त को देश ने बहुत सम्मान दिया। सरोजिनी नायडू को विशेषतः भारत कोकिला, राष्ट्रीय नेता और नारी मुक्ति आन्दोलन की समर्थक के रूप में सदैव याद किया जाता रहेगा।

मृत्यु- सरोजिनी नायडू की जब 2 मार्च सन् 1949 को मृत्यु हुई तो उस समय वह राज्यपाल के पद पर ही थीं। लेकिन उस दिन मृत्यु तो केवल देह की हुई थी। अपनी एक कविता में उन्होंने मृत्यु को कुछ देर के लिए ठहर जाने को कहा था.....

मेरे जीवन की क्षुधा, नहीं मिटेगी जब तक
मत आना हे मृत्यु, कभी तुम मुझ तक।

उनका जीवन लाभदायक और परिपूर्ण था। उस जीवन से उन्हें आत्मसंतुष्टि प्राप्त हुई थी या नहीं यह तो कोई नहीं बता सकता लेकिन जितना उनके जीवन के बारे में जानते हैं उससे इतना तो ज़रूर कहा जा सकता है कि उन्होंने अपने जीवन को एक उद्देश्य दिया था और उसी के अनुरूप वह जीती रही थीं। ऐसा जीवन बहुत लोगों को नसीब नहीं होता। गीत के विषाद से जीवन का विषाद मिटा देने के लिए वह प्रयास करती रहीं। उसी तरह उन्होंने जीवन बिताया। आने वाली पीढ़ियाँ इसी रूप में उन्हें याद करती रहेंगी। उन्हें याद रखने का यही एक ढंग है- सरोजिनी नायडू जो प्रेम और गीत के लिए जीती रहीं। जैसा गांधी जी ने कहा था, सच्चे अर्थों में वह भारत कोकिला थीं।

महंगाई से मिली बड़ी राहत, क्या अब शेयर बाजार में आएगी तेजी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम जनता को एक के एक बड़ी राहत मिलती जा रही है। पहले सरकार ने 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दी। फिर बजट 2025 में 12 लाख रुपये तक की सालाना आय को टैक्स फ्री कर दिया। अब महंगाई दर कम होने से भी जनता को एक और राहत मिली है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2025 में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 4.31 फीसदी पर आ गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर में 5.22 फीसदी और जनवरी 2024 में 5.1 फीसदी थी।

फूड बास्केट में मुद्रास्फीति 6.02 फीसदी रही, जो दिसंबर 2024 में 8.39 फीसदी थी। यह एक साल पहले जनवरी में 8.3 फीसदी थी। सरकार ने आरबीआई से यह तय करने को कहा है कि खुदरा मुद्रास्फीति 2 फीसदी के घट-बढ़ के साथ 4 फीसदी पर बनी रहे। ऐसे में महंगाई दर घटकर 4.31 फीसदी पर आने से सरकार और आरबीआई को बड़ी मिली है। क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर शुरू करने के बाद महंगाई बढ़ने का अंदेशा जताया जा रहा है।

महंगाई घटने से शेयर बाजार में आएगी- महंगाई के आंकड़ों पर शेयर बाजार के निवेशकों की भी बारीक नजर थी। पिछले कई कारोबारी सत्रों से स्टॉक मार्केट में गिरावट देखी जा रही है। लेकिन, अब महंगाई घटने का डेटा आने से बाजार में तेजी वापस लौट सकती है। क्योंकि इससे आरबीआई के लिए आगामी MPC मीटिंग में रेट कट करने के रास्ते खुल जाएंगे। आरबीआई ने फरवरी की MPC में ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कटौती की है।

अब अगर जनवरी के बाद फरवरी में भी महंगाई काबू में रहती है, तो अप्रैल की MPC में आरबीआई फिर से रेपो रेट कट पर विचार कर सकती है। एक्सपर्ट के मुताबिक, आरबीआई साल 2025 में ब्याज दरों में 0.75 फीसदी की कटौती कर सकती है। इससे आम जनता के लिए होम लोन और कार लोन की लागत घट जाएगी। साथ ही, शेयर मार्केट को भी भारी बूस्ट मिलेगा।

2 साल के इंतजार के बाद ज्वाइनिंग, 6 महीने बाद ही छंटनी; सैकड़ों ट्रेनी बेरोजगार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईटी कर्मचारियों की यूनियन नैसेंट इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी इम्प्लॉइज सीनेट ने शुक्रवार को दावा किया कि आईटी दिग्गज इन्फोसिस ने अपने मैसूर कैंपस से करीब 700 फ्रेशर्स को नौकरी से निकाल दिया है। यूनियन के मुताबिक, फ्रेशर्स को कंपनी में आने के कुछ ही महीनों बाद छंटनी का शिकार होना पड़ा है।

इन्फोसिस के फाउंडर एन नारायण मूर्ति अक्सर अपने वर्क कल्चर से जुड़े बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। वह हफ्ते में 70 घंटे काम करने की वकालत करते हैं। ऐसे में सोशल मीडिया यूजर्स इन्फोसिस में ट्रेनियों की बड़े पैमाने पर छंटनी होने पर नाराजगी जता रहे हैं। वे इन्फोसिस और उसके मैनेजमेंट की तीखी आलोचना भी कर रहे हैं।

क्या है पूरा मामला- इन्फोसिस ने करीब दो साल पहले सैकड़ों आईटी ग्रेजुएट को जॉब ऑफर की थी। लेकिन, बिजनेस से जुड़ी चुनौतियों के चलते उन्हें सितंबर में ज्वाइनिंग कराई। लेकिन, इन्फोसिस में नौकरी के लिए दो साल का इंतजार करने वाले आईटी ग्रेजुएट को उस वक्त बड़ा सदमा लगा, जब सिर्फ 6 महीने बाद उनकी सामूहिक छंटनी कर दी गई।

ये ट्रेनी जब घर लौटने के लिए टैक्सी और बस बुक करने पहुंचे, तो उनके सामने बड़ा सवाल यही था कि वे अपने परिवारों को यह खबर कैसे बताएंगे?

बजट 2025 में मिली छूट के बाद कितना बचेगा टैक्स, बताएगा इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का नया कैलकुलेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 में न्यू टैक्स रिजीम के तहत 12 लाख रुपये तक की आय को टैक्स फ्री कर दिया। हालांकि, अभी भी कई टैक्सपेयर्स समझ नहीं पा रहे हैं कि बजट 2025 में हुए बदलाव के बाद उन्हें कितना टैक्स कम देना पड़ेगा। उनकी परेशानी को दूर करने के लिए सरकार ने नई इनकम टैक्स कैलकुलेटर सुविधा शुरू की है। इससे तुलना करके पता किया जा सकता है कि किसी खास इनकम पर बजट से पहले कितना टैक्स देना पड़ता था और नए वित्त वर्ष से कितना टैक्स देना होगा।

अगर आप वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 में अपनी टैक्स सेविंग की सही प्लानिंग करना चाहते हैं, तो आयकर विभाग के इस कैलकुलेटर का उपयोग करके अपनी संभावित टैक्स बचत को कैलकुलेट कर सकते हैं।

बजट 2025 में क्या बदलाव हुए हैं- बजट 2025 के अनुसार, अगर आपकी सालाना आय 12 लाख तक है, तो आपको कोई टैक्स नहीं देना होगा।

स्टेप-बाय- स्टेप प्रोसेस- आयकर विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

इनकम टैक्स कैलकुलेटर सेक्शन को चुनें।

अपना Residential Status दर्ज करें।

अपनी कुल Taxable Income दर्ज करें (स्पेशल रेट वाली इनकम जैसे कैपिटल गेन को छोड़कर)।

कैलकुलेटर पुराने और नई व्यवस्था के हिसाब से आपकी टैक्स देनदारी की तुलना करेगा।

यह दिखाएगा कि टैक्स पर अब आपको कितनी बचत हो रही है।

बजट 2025 के बाद नया टैक्स स्लैब- सरकार ने न्यू टैक्स रिजीम को और आकर्षक बनाने के लिए टैक्स स्लैब्स में बदलाव किया है। अब 12 लाख रुपये की सालाना इनकम पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। पहले यह छूट की लिमिट 7 लाख रुपये थी। आइए जानते हैं प्रस्तावित टैक्स दर।

सरकारी योजनाओं की वजह से काम नहीं करना चाहते लेबर, ये क्या बोल गए L&T के चेयरमैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। लार्सन एंड टुब्रो के चेयरमैन एसएन सुब्रमण्यन एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। उनका कहना है कि सरकारी योजनाओं की भरमार के चलते श्रमिक दूसरे शहरों में जाकर काम नहीं करना चाहते हैं।

इससे पहले उन्होंने कहा था कि कर्मचारियों को एक हफ्ते में 90 घंटे काम करना चाहिए। उसके बाद वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर बहस शुरू हो गई थी।

सुब्रमण्यन ने मंगलवार को चेन्नई में सीआईआई के मिस्टिक साउथ ग्लोबल लिंकेज समिट 2025 में बोलते हुए कहा कि निर्माण उद्योग के लिए श्रमिक मिलना मुश्किल है क्योंकि वे आराम की वजह से अपना गृहनगर नहीं छोड़ना चाहते। उन्होंने कहा कि मनरेगा, डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर और जन धन खातों जैसी योजनाओं से श्रमिक जुटाने पर असर पड़ सकता है।

मजदूरी बढ़ाने की भी वकालत की- सुब्रमण्यन ने कहा, श्रमिक नए अवसर की तलाश में आगे बढ़ने के लिए राजी नहीं है। हो सकता है कि स्थानीय कमाई से उनका काम अच्छे से चल रहा हो। या फिर उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के चलते दूसरे शहर में जाकर काम करने की जरूरत न हो। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की कमी से भारत के बुनियादी ढांचे के निर्माण पर असर पड़ेगा। सुब्रह्मण्यन ने कहा कि भारत में प्रवास की अनोखी समस्या है।

क्यों बढ़ रही सोने की चमक, क्या 1 लाख रुपये के पार पहुंच जाएगा भाव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले साल सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली थी। यह साल 2025 में भी जारी है। इस साल करीब डेढ़ महीने में ही सोने की कीमतों में 8,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (लगभग 11 फीसदी) की बढ़ोतरी हो चुकी है। हाल ही में सोना 86,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंचा था। अब सवाल उठता है कि सोने का दाम क्यों बढ़ रहा है और क्या सोना आने वाले महीनों में 1 लाख रुपये के स्तर तक पहुंच सकता है?

सोने की कीमत क्यों बढ़ रही है- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आर्थिक नीतियों से लगातार ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ रहा है।

भारत में शादी का सीजन चल रहा है। इस दौरान सोने की खरीदारी से डिमांड और प्राइस में तेजी आ रही है।

डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर हो रहा है। इसका असर भी सोने की कीमतों में देखने को मिल रहा है।

वैश्विक बाजार में महंगाई दर अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है। इसलिए लोग सोने में निवेश कर रहे हैं।

शेयर मार्केट में भारी गिरावट के चलते निवेशकों का रुझान सोने की तरफ तेजी से बढ़ रही है।

क्या 1 लाख के पार जाएगा सोना- अभी सोने का भाव 86,360 रुपये प्रति 10 ग्राम है। इसका मतलब है कि सोने को 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंचने के लिए 14,000 रुपये यानी लगभग 16 फीसदी और बढ़ना होगा। हालांकि, अधिकांश एक्सपर्ट का मानना है कि सोने में तेजी जारी रह सकती है, लेकिन 2025 में सोने का 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को छूना मुश्किल होगा।

आनंद राठी शेयर ब्रोकर्स के डायरेक्टर नवीन माथुर के अनुसार, 2024 में सोना 27 फीसदी बढ़ा था। 2025 में अब तक 11 फीसदी बढ़ चुका है। इसकी प्रमुख वजह भू-राजनीतिक तनाव, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और ब्याज दर कटौती की उम्मीदों के कारण हुई है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के हेड अनुज गुप्ता के मुताबिक, सोना दिवाली तक का 87,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार जा सकता है। लेकिन, 1 लाख रुपये का स्तर फिलहाल मुमकिन नहीं दिख रहा। कुछ अन्य एक्सपर्ट का मानना है कि सोने की कीमतें जल्द 90 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच सकती हैं।

5 महीने के निचले स्तर पर खुदरा महंगाई, सुस्त पड़ी औद्योगिक उत्पादन की रफ्तार

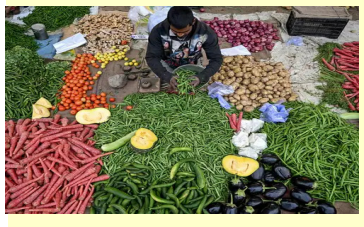

नई दिल्ली (एजेंसी)। जनवरी के महीने में खुदरा महंगाई पर थोड़ी राहत मिली है। इस दौरान खुदरा महंगाई घटकर 4.31 प्रतिशत पर आ गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर में 5.22 प्रतिशत और पिछले साल जनवरी में 5.1 प्रतिशत थी। बता दें कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को यह जिम्मेदारी दी गयी है कि खुदरा मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत की घट-बढ़ के साथ 4 प्रतिशत पर बनी रहे।

मुख्य रूप से खाने का सामान सस्ता होने से मुद्रास्फीति में कमी आई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार खाद्य मुद्रास्फीति जनवरी में 6.02 प्रतिशत रही, जो दिसंबर में 8.39 प्रतिशत तथा एक वर्ष पूर्व इसी माह में 8.3 प्रतिशत थी। माइनिंग और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के खराब प्रदर्शन के कारण दिसंबर 2024 में देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर धीमी होकर 3.2 प्रतिशत रह गई। दिसंबर, 2023 में औद्योगिक उत्पादन 4.4 प्रतिशत बढ़ा था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

MP के स्कूल में छोटी छात्राओं से कक्षा में पैर दबवाती शिक्षिका का वीडियो आया सामने

सिवनी। मध्यप्रदेश के सिवनी में जनजातीय कार्य विभाग शासकीय अनुसूचित जनजाति इंग्लिश मीडियम कन्या आश्रम से हैरान करने वाला वीडियो सामने आया है। वीडियो में नन्ही-नन्हीं छात्राओं की देखभाल करने वाली छात्रावास वार्डन और शिक्षिका सुजाता नागदेवे (मड़के) कथित तौर पर कक्षा में बच्चों से पैर दबवाती दिखाई दे रही हैं। कक्षा में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी घटना कैद होने की बात कहीं जा रही है।

यह है पूरा मामला

बच्चों से पैर दबवाती शिक्षिका का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जो दो-तीन दिन पुराना बताया जा रहा है।

आश्रम में अध्ययनरत नन्हीं छात्राओं से इस बात की जानकारी मिलने के बाद अभिभावकों ने 11 फरवरी मंगलवार की शाम सिवनी नगर के बारापत्थर स्थित इंग्लिश मीडियम कन्या आश्रम पहुंचकर घटना का विरोध दर्ज कराते हुए हमकर हंगामा किया।

मामला संज्ञान में आने के बाद सहायक आयुक्त सतेन्द्र मरकाम के निर्देशन पर मंडल संयोजक मौके पर पहुंचकर अभिभावकों, बच्चों के बयान दर्ज किए हैं।

मंडल संयोजक ने प्रकरण का जांच प्रतिवेदन अधिकारियों को आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया है।सहायक आयुक्त का कहना है कि मामले में कन्या आश्रम की वार्डन व शिक्षिका पर जांच प्रतिवेदन अनुसार कार्रवाई की जा रही है।

मुझे कोई प्राब्लम नहीं... आप लोग मुझे हटवा दीजिए

मंगलवार शाम विरोध दर्ज कराने पहुंचे अभिभावकों से शिक्षिका से कहासुनी एक अन्य वीडियो सोश मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इसमें शिक्षिका से छात्राओं के अभिभावक कक्षा में पैर दबवाने पर सवाल पूछ रहे है, जिसे शिक्षिका द्वारा सिरे से नकारा दिया।

वो अभिभावकों से कहती दिख रही है कि आप अगर मुझे हटाना चाहते हो, तो हटवा दीजिए। आप लोगों को लग रहा है कि मैं आपके बच्चों के लायक नहीं हूं.. अच्छे देखभाल नहीं कर पा रही हूं... तो हटवा दीजिए।कोई प्राब्लम नहीं है मुझे। गलत इल्जाम मत लगाओ। गलत इल्जाम लगता है तो बुरा लगता है।

इतना ही नहीं वीडियो में महिला यह भी कहती दिख रही है कि मैं ही तो हटूंगी, ज्यादा से ज्यादा क्या होगा। और कुछ होगा? मैं यहां से हटकर कहीं और नौकरी करूंगी।

कांग्रेस हुई हमलावर, निशाने पर भाजपा सरकारशिक्षिका का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि सिवनी में आदिवासी छात्रावास में छोटी बच्चियों से पैरों की मालिश करवाती शिक्षिका का वीडियो बेहद शर्मनाक है! पैर दबवाने वाली सुजाता मरके पहले भी निलंबित हो चुकी हैं, फिर भी ट्राइबल विभाग में नियम विरुद्ध प्रतिनियुक्ति क्यों की जा रही हैं? देवी समान बेटियों का अपमान किया जा रहा है भाजपा सरकार में आदिवासियों का सम्मान तो कभी नहीं हुआ, अब देवी समान बेटियों का भी अपमान किया जा रहा है। आखिर आदिवासी बच्चों के साथ यह शोषण कब रुकेगा?

बुरहानपुर में बनी पिस्टल ले जा रहे आगरा के दो तस्कर गिरफ्तार

बुरहानपुर। जिले की खकनार थाना पुलिस ने पाचोरी गांव में बनी अवैध पिस्टलों की तस्करी करते फिर उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो देसी पिस्टल, दो मैग्जीन और एक मोबाइल बरामद किया गया है।

आरोपितों के नाम मुकुल सिंह पुत्र प्रताप सिंह भारती 26 वर्ष निवासी राजपुर चुंगी के पास चौराहा आगरा और रूबेन पुत्र नसी सिंह जाटव 29 वर्ष निवासी सेक्टर दस, आवास विकास कालोनी आगरा बताए गए हैं।इनमें से एक आरोपित मुकुल सिंह के खिलाफ थाना न्यू आगरा में वर्ष 2018 में दुष्कर्म व मारपीट और वर्ष 2020 में थाना हिरपर्वत में आर्म्स एक्ट का प्रकरण पहले से दर्ज है।

पुलिस ने बुधवार दोपहर दोनों को न्यायालय में प्रस्तुत किया। जहां से एक दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

थाना प्रभारी अभिषेक जाधव ने बताया कि आगरा के मुख्य तस्करों ने दोनों को मोहरे के रूप में उपयोग किया है। प्रारंभिक पूछताछ के अनुसार उन्हें पंद्रह-बीस हजार रुपये अतिरिक्त देने का लालच देकर हथियार लाने के लिए पाचोरी भेजा गया था।

महाकुंभ-ग्वालियर से दो ट्रेनों से 6500 से अधिक यात्री रवाना हुए प्रयागराज

ग्वालियर। महाकुंभ में पूर्णिमा के स्नान के लिए ट्रेनों में भारी भीड़ प्रयागराज के लिए रवाना हो रही है। यही कारण है कि रेलवे को मांग आधारित स्पेशल अनारक्षित ट्रेनों का संचालन करना पड़ रहा है।

मंगलवार को रेलवे ने एक स्पेशल ट्रेन को प्रयागराज के लिए रवाना किया गया, जबकि बुंदेलखंड एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से आधा घंटे की देरी से संचालित की गई।इन दोनों ट्रेनों में लगभग साढ़े छह हजार यात्री प्रयागराज के लिए रवाना हुए। स्पेशल ट्रेन में लगभग 3500 यात्री जाने का अनुमान रेलवे के अधिकारियों ने लगाया है।

जबकि बुंदेलखंड एक्सप्रेस से लगभग तीन हजार यात्री प्रयागराज के लिए रवाना हुए। शाम होते ही स्टेशन के प्लेटफार्मों पर प्रयागराज जाने वाले यात्रियों की भीड़ जुटने लगी थी।इसके चलते झांसी मंडल से सीनियर डीसीएम सहित अन्य अधिकारी व्यवस्थाओं पर नजर रख रहे थे। आरपीएफ के जवान भी सतर्क नजर आए और भीड़ को नियंत्रित करते हुए दिखे।

पुलिस आरक्षक भर्ती के लिए रोजगार कार्यालय का लाइव पंजीकरण आवश्यक नहीं

जबलपुर । सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के उस आदेश को उचित तरह से निरूपित किया है, जिसके जरिए व्यवस्था दी गई थी कि पुलिस आरक्षक भर्ती के लिए रोजगार कार्यालय का लाइव पंजीकरण आवश्यक नहीं है। हाई कोर्ट के आदेश के विरुद्ध मध्य प्रदेश शासन ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की थी।सुप्रीम कोर्ट ने राज्य शासन की विशेष अनुमति याचिका निरस्त कर दी। मामले की सुनवाई के दौरान आरक्षक पद पर चयनित उम्मीदवारों की ओर से दलील दी गई कि याचिकाकर्ताओं के आवेदन के समय रोजगार कार्यालय का लाइव पंजीकरण कार्ड नहीं होने के कारण उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर दी गई थी।हाई कोर्ट ने उनके हक में आदेश पारित करते हुए कहा था कि पुलिस आरक्षक पद के लिए उम्मीदवार की पात्रता, योग्यता या फिटनेस तय करने में रोजगार कार्यालय का लाइव पंजीकरण कार्ड होना अनिवार्य शर्त नहीं है।एमपी सरकार को निराशा हाथ लगीसार्वजनिक रोजगार के लिए विचार किया जाना संविधान के अनुच्छेद-16 के अंतर्गत मौलिक अधिकार है और इसे अनावश्यक शर्तें लगाकर सीमित नहीं किया जा सकता, लिहाजा, आवेदकों को नौकरी दी जाए। इस आदेश के विरुद्ध मप्र शासन ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर कर दी थी, लेकिन उसे निराशा हाथ लगी।नायब तहसीलदार ने सीमा लांघकर दिया स्टे, कार्रवाई से कराएं अवगतहाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक जैन की एकलपीठ ने नायब तहसीलदार द्वारा स्टे आर्डर जारी किए जाने को चुनौती के प्रकरण में कलेक्टर जबलपुर से शपथ पत्र पर जवाब मांग लिया है। इस सिलसिले में कलेक्टर के अलावा नायब तहसीलदार शहपुरा सहित अन्य को नोटिस जारी किए गए हैं।

हवलदार को 25 फीट घसीट ले गई तेज रफ्तार लोडिंग, मरते-मरते बचा

ग्वालियर। गलत दिशा में चल रहे तेज रफ्तार लोडिंग चालक ने बहोड़ापुर इलाके में सड़क पर सुबह साढ़े पांच बजे जमकर तांडव मचाया। सागरताल चौराहे पर तैनात हवलदार को टक्कर मारी और करीब 25 फीट तक घसीटता हुआ ले गया।

हवलदार को शरीर में चोट आई है, हालांकि वह बाल-बाल बच गया। हवलदार का मौत से आमना-सामना हो गया। इतना ही नहीं फिर इसी लोडिंग चालक ने आगे सड़क किनारे खड़ी एक बाइक को भी टक्कर मारी। हवलदार का नाम राकेश शर्मा है। वह बहोड़ापुर थाने में पदस्थ हैं।चौराहे पर ड्यूटी कर रहे थे

राकेश की ड्यूटी प्रभात गश्त में लगी थी। साढ़े पांच बजे सागरताल चौराहे पर ड्यूटी कर रहे थे। यहां होमगार्ड सैनिक आने वाला था जिसका इंतजार हवलदार कर रहे थे। अचानक होमगार्ड सैनिक का काल आया। हवलदार फोन पर बात करने लगे। यहां तेज रफ्तार में लोडिंग वाहन आया।

मोड़ पर भी लोडिंग चालक ने ब्रेक नहीं मारे और सड़क पर तैनात हवलदार को टक्कर मारी। फिर हवलदार को घसीटता हुआ ले गया। गनीमत रही हवलदार बच गए। जब सड़क पर सुबह की सैर पर निकले लोगों ने देखा व शोर मचाया और तब चालक ने ब्रेक मारे।

इसके बाद हवलदार छिटककर गिरा। फिर आरोपित लोडिंग चालक ने गाड़ी बगल से मोड़ी और फिर तेज रफ्तार में भागा, जिससे वह पकड़ में न आ सके। इस दौरान बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद हवलदार बेहोश हो गया। सुबह सैर पर निकले लोगों ने पुलिस को सूचना दी तब उसे अस्पताल ले जाया गया। आरोपित की पहचान नहीं- लोडिंग चालक की पहचान तक पुलिस नहीं कर सकी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस पड़ताल में जुटी है।पहले भी सिपाही को बोनट पर लटकाकर ले गया थाकार चालक इसी तरह की घटना पहले भी हुई थी। चेतकपुरी गेट पर तैनात ट्रैफिक पुलिस के सिपाही बृजेंद्र को तेज रफ्तार कार चालक ने टक्कर मारी थी। फिर उसे बोनेट पर लटकाकर ले गया था। अब तक इस कार चालक की पहचान नहीं हो पाई है।प्रभात गश्त पर निकले पुलिसकर्मी को टक्कर मारी है।

सायबर सुरक्षा के महत्व को समझे-डॉ वरूण कपूर

"Black Ribbon Initiative" ''संकल्प'' अभियान के तहत 775वीं कार्यशाला संपन्न

इंदौर। "Black Ribbon Initiative" ''संकल्प'' अभियान के तहत डॉ. वरूण कपूर, विशेष पुलिस महानिदेशक द्वारा दिनांक 10.02.2025 को शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेदिक कॉलेज एंड हास्पिटल, लोकमान्य नगर, इंदौर में ''सायबर अपराध एवं सायबर सुरक्षा'' विषय पर 775वीं कार्यशाला आयोजित की गई । इस कार्यशाला में इंस्टिट्यूट के 100 छात्र-छात्राओं एवं 32 व्याख्याताओं ने भाग लिया । कार्यशाला के प्रारंभ में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अजीतपाल सिंह चौहान ने पुष्पगुच्छ एवं प्रोफेसर डॉ. एस.के नायक व डॉ. अखिलेश कुमार भार्गव ने प्लांट भेंट कर डॉ. वरूण कपूर का स्वागत किया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुये डॉ. कपूर ने बुलिंग, फिशिंग, स्टॉकिंग के बारे में जानकारी दी गई और बताया कि हमारे जीवन का बड़ा हिस्सा ऑनलाईन हो चुका है । डिजिटल तकनीक से हमारा जीवन सरल हुआ है, किन्तु उसके साथ ही सायबर अपराधों का खतरा भी तेजी से बढ़ा है । सायबर अपराध एक वैश्विक समस्या बन गया है। सायबर अपराधी सुरक्षा खामियों/लापरवाही एवं जानकारी न होने का फायदा उठाकर सायबर अपराध को अंजाम देते हैं ।

लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिये नये-नये तरीके अपनाते हैं । सायबर अपराधियों का शिकार होने से बचाव स्वयं करना है । इसके लिये हमें सायबर सुरक्षा को महत्व देते हुए सतर्क एवं जागरूक रहना होगा । सायबर अपराधी नये-नये तरीकों से सायबर अपराध की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं । सायबर अपराध का शिकार होने से बचने के लिये आपको कुछ बातें ध्यान में रखना होगी । अनजान नंबर से आने वाले फोन कॉल को स्वीकार एवं मैसेज को क्लिक न करें । "https" से शुरू होने वाली वेबसाईट ही खोलें। पासवर्ड मजबूत बनाए और नियमित रूप से बदलते रहें व किसी से शेयर न करें । बैंक, ईमेल और सोशल मीडिया अकाउंट पर दोहरा आर्थेटिकेशन का प्रयोग करें।

अपने बैंक डिटेल्स, आधार, पेन इत्यादि साझा न करें । किसी अनजान को ओटीपी या पिन न बतायें । अनजान नंबर से फोन कॉल पर पैसों की मांग करे तो सतर्क हो जावे । फोन कॉल या मैसेज में खुद को किसी कंपनी का अधिकारी बताकर जानकारी मांगे तो न देवें, क्योंकि बैंक अथवा वित्तीय संस्थान फोन पर अपने ग्राहक से कोई जानकारी नहीं मांगता हैं।

सोशल मीडिया पर बिना जाँच किये अनजान व्यक्ति को न जोड़े और न ही अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें । अनावश्यक रूप से तस्वीरें और वीडियो अपलोड न करें । सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली जानकारियों को बिना सोचे-समझे फारवर्ड न करें, क्योंकि उनमें अधिकांश जानकारी असत्य होती है । किसी भी संदेश को फारवर्ड करने से पहले उसकी प्रमाणिकता की जाँच करें ।

छात्र-छात्राओं के प्रश्नों का समाधान डॉ. कपूर द्वारा सहजता से किया गया । कार्यशाला में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सात छात्र-छात्राओं को क्रमशः एश्वर्य, सिमरन पाटीदार, अनुराग, सूरज, उर्वशी, अमरेन्द्र एवं सुनिता को डॉ. कपूर ने प्रमाण-पत्र व गोल्डन बैज प्रदान कर सम्मानित किया । डॉ. विमल कुमार अरोड़ा ने आभार प्रदर्शन एवं कार्यशाला का संचालन डॉ. श्वेता वर्मा ने किया।

कार्यशाला में मुख्य रूपसे कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अजीतपाल सिंह चौहान, डॉ. एस.के नायक, एवं प्रोफे. डॉ. अखिलेश कुमार भार्गव उपस्थित रहे । कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य डॉ. अजीतपाल सिंह चौहान ने डॉ. वरूण कपूर को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया ।

सेमिनार के सफल संचालन में सहा. सेनानी श्री हेमेन्द्र सूर्यवंशी एवं उनकी टीम के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के तहत 574 ग्रामों में कार्य पूर्ण- 21 ग्राम पंचायतों में बचे हुए कार्य इसी माह के अंत तक होंगे पूरे

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए हैं कि जिले में प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के अंतर्गत ऐसी पंचायतें जिनमें अभी कुछ काम शेष है, उन्हें शीघ्र गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही और उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्री सिंह ने बचे हुए कार्यों को इसी माह के अंत तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि इस माह के अंत तक कार्य पूरा नहीं करने वाली निर्माण एजेंसियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिले में हर घर में नल से जल पहुँचाने के लिए चल रही योजना के तहत मात्र 21 ग्रामों में ही काम शेष है। हर घर में नल से जल वाला जिला घोषित करने की तैयारियां अंतिम दौर में है, इसके लिए तेजी से प्रयास जारी है।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज यहां जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, पीएचई के कार्यपालन यंत्री श्री एस.के. उदिया सहित योजना से जुड़े अधिकारी, एसडीएम, अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी आदि मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने ऐसी पंचायतें जिनमें अभी कुछ काम शेष है, उन पंचायतों में चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि जिले में 21 पंचायतों में कुछ ही काम बचा है। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए की शेष पंचायतों में बचे कार्यों को इस माह के अंत तक पूर्ण किया जाए। कार्य को पूर्ण करने के लिए दिन-प्रतिदिन की कार्य योजना बनाई जाए और प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा की जाए। कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए। योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही तथा उदासीनता बरतने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। हर सप्ताह प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जा रही है। बैठक में जानकारी दी गई कि इंदौर जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत 566 गांवों में हर घर में नल से जल पहुंचाने की योजना स्वीकृत की गई है।

जिले में पूर्व से शत-प्रतिशत नल कनेक्शन वाले 29 ग्राम है। इस तरह जिले में कुल 595 ग्रामों में हर घर में नल से जल पहुंचाने की योजना है। जिले में अभी तक इसमें से 574 गांवों में नल जल योजना का कार्य पूर्ण हो गया है। उक्त सभी योजनाएं पंचायतों को हस्तांतरित कर दी गई है। शेष 21 ग्रामों में कार्य प्रगति पर है, इन शेष सभी पंचायतों में कार्य अतिशीघ्र पूर्ण कर संबंधित पंचायत को हस्तांतरित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने संबंधित पंचायतों के सरपंचों को भी निर्देशित किया है कि वे पूर्ण योजना को शीघ्र हाथ में लेकर बेहतर संचालन सुनिश्चित करें। हर घर में नल से जल पहुंचाएं। इस कार्य में किसी भी तरह के लापरवाही नहीं बरती जाए।

खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर इंदौर जिले में अवैध रूप से खाद्य सामग्री के क्रय-विक्रय और भण्डारण करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में आज खाद्य विभाग की टीम द्वारा एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से भण्डारित बड़ी मात्रा में चावल के कट्टे और ट्राला जप्त किया गया है।

जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि इंदौर जिले के सांवेर रोड स्थित पेट्रोल पंप के पीछे रेवती रेंज के रास्ते पर एक गोदाम पर लगभग 800 लूज कट्टे चावल और बडा ट्राला जप्त किया गया है। बड़ा ट्राला चावल भर के गुजरात जाने की तैयारी में था। बताया गया कि मौके पर चावल से भरा बड़ा ट्राला क्रमांक एम एच 20सष्ट-3192 सहित वाहन चालक करन पिता नेपाल निवासी जिला धार को पकड़ा गया है। मौके पर काम कर रहे मजदूर और ड्राइवर ने बताया कि गोदाम में अवैध भंडारित चावल सतीश अग्रवाल और संजय गुप्ता का है। गोदाम सतीश मित्तल का है। ट्राला जप्त कर पुलिस थाने में रखा गया है वहीं लगभग 800 बोरी चावल जप्त कर शासकीय वेयरहाउस कॉरपोरेशन के गोदाम राऊ में जप्ती-सुपुर्दगी में दिया गया है। सतीश अग्रवाल पर पूर्व में चोर बाजार अधिनियम में रासुका की कार्रवाई हो चुकी है और पूर्व में भी तीन एफआईआर विभाग दर्ज करवा चुका है। वह चावल के अवैध भंडारण, क्रय -विक्रय का आदतन अपराधी है। बताया गया कि सतीश अग्रवाल और उनकी टीम लगातार 15-20 दिन में गोदाम बदल-बदल कर काम करते थे। उपभोक्ता से गली-गली में ऑटो चालक 15 से 17 रुपए में चावल खरीदते हैं और इन्हें बेचते हैं। उपभोक्ता निःशुल्क प्राप्त होने वाला चावल रेहड़ी वालों को खेरची और मध्यम व्यापारियों को बेचते हैं, जिसका यह अवैध व्यापार लगातार कर रहे हैं।

सी.एम. राइज विद्यालयों के निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश

इंदौर। इंदौर जिले में सीएम राइज योजना के तहत चल रहे स्कूल भवन निर्माण कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए है। भवन निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के लिए आज जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने बैठक ली। जिला पंचायत सभागृह में सम्पन्न हुई इस बैठक में सी.एम. राइज विद्यालयों के निर्माण कार्य की प्रगति एवं आने वाली समस्याओं के समाधान पर चर्चा की गई। बैठक में इन्दौर विकास प्राधिकरण के कार्यपालन यंत्री श्री अनिल जोशी, पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन के श्री किशन विधानी, आर्किटेक्ट श्री जितेन्द्र वर्मा, जिला परियोजना समन्वयक श्री नरेन्द्र जैन, सहायक परियोजना समन्वयक प्रीति सोलंकी एवं सी.एम. राइज विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित थे।

विधानसभा क्षेत्र सांवेर में 96 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 6 हजार से अधिक परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की सौगात

इंदौर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के संकल्प को साकार करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रत्येक गरीब एवं बेघर परिवार को पक्का मकान प्रदान किए जाने के लिए तेजी से प्रयास किये जा रहे हैं। इन प्रयासों के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत इंदौर जिले की सांवेर विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2015 से वर्ष 2024-25 तक 96 करोड़ 09 लाख रुपये की लागत से कुल 6152 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें से 2446 पात्र हितग्राही परिवारों को आवास प्रदान किए जा चुके हैं।

योजना अंतर्गत जनपद पंचायत सांवेर में वर्ष 2015 से वर्ष 2024-25 तक 49 करोड़ 88 लाख रुपये की लागत से कुल 3563 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें से 1203 पात्र हितग्राही परिवारों को आवास प्रदान किए जा चुके हैं।

जनपद पंचायत इंदौर में वर्ष 2015 से वर्ष 2024-25 तक 23 करोड़ 46 लाख रुपये की लागत से कुल 1698 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें से 752 पात्र हितग्राही परिवारों को आवास प्रदान किए जा चुके हैं। इसी प्रकार नगर परिषद, सांवेर में वर्ष 2015 से वर्ष 2024-25 तक 12 करोड़ 75 लाख रुपये की लागत से कुल 491 पात्र हितग्राही परिवारों को आवास प्रदान किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत नगर परिषद सांवेर में 10 करोड़ रुपये की लागत से 400 पात्र हितग्राही परिवारों को आवास प्रदान किए जाना प्रस्तावित है, जिसमें वर्तमान में 198 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

अवन्तिकायाम विहिल्तारम मुक्ति प्रदायनाय च सजनाम,
अकाल मृत्यु परिरक्शनाय, वन्दे महाकाल महा सुरेश्वरम
भूतभावन भगवान श्री महाकाल महाराज सभी को आरोग्यता प्रदान करें

सिंहस्थ के मद्देनजर कलेक्टर ने सेतु निर्माण विभाग एवं नगर निगम के कार्यों का निरीक्षण किया

कलेक्टर श्री सिंह ने हरी फाटक ब्रिज के नीचे स्थित पार्किंग में कर्नाटक से आए श्रद्धालुओं से चर्चा कर उनका उज्जैन दर्शन का अनुभव जाना

उज्जैन। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने बुधवार वाकणकर ब्रिज,गऊघाट ब्रिज, लालपुर रेलवे ओवरब्रिज, भूखी माता ब्रिज, गढ़कालिका से काल भैरव मार्ग पर ओखलेश्वर ब्रिज,त्रिवेणी ब्रिज, इंदौर रोड पार्किंग, चिंतामन रोड ब्रिज, हरी फाटक रोड , लाल पुल के नीचे ब्रिज, कर्कराज पार्किंग, नरसिंह घाट ब्रिज का निरीक्षण किया। निरीक्षण में उन्होंने समस्त स्वीकृत कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने एवं स्वीकृत सेतुओं के लिए तुरंत निविदा आमंत्रित करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने लोक निर्माण विभाग के ईई श्री गौतम अहिरवार को हरी फाटक से मुरलीपुरा वाले रोड का कार्य जल्दी चालू करने के निर्देश दिए। श्री सिंह ने सभी प्रगतिरत कार्यों को समयावधि एवं गुणवत्तापूर्ण मापदंडों अनुसार पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने हरी फाटक ब्रिज के नीचे स्थित पार्किंग में कर्नाटक से आए श्रद्धालुओं से चर्चा की। श्रद्धालुओं ने श्री सिंह से उज्जैन दर्शन का अनुभव साझा किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने बताया कि पार्किंग क्षेत्र के सार्वजनिक सुलभ शौचालय पर संचालक शाम होते ही ताला लगाकर चले जाते है,जिससे श्रद्धालुओं को बहुत असुविधा होती है। इस पर कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को सुलभ शौचालय के संचालक पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए और शौचालय समय अनुसार खुलवाने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात कलेक्टर श्री सिंह ने ग्रांड होटल में नगर निगम के कार्यों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने नगर निगम अधिकारियों से शहरी क्षेत्रों में साफ सफाई के कार्यों में लापवाही बरतने पर नाराजगी व्यक्त की एवं स्वच्छता के कार्य को सुचारु व गंभीरता से करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने नगर निगम के सभी अधिकारियों को कार्य विभाजन अनुसार कार्यों पर निगरानी रखने एवं कार्य प्रगति रिपोर्ट प्रतिदिन संधारित करने के निर्देश भी दिए।

आध्यात्मिक कवि सम्मेलन में गीतकार हेमंत श्रीमाल जैन कवि रत्न सम्मान से सम्मानित

उज्जैन। अभ्युदयपुरम जैन तीर्थ की द्वितीय वर्षगांठ पर ध्वजारोहण के शुभ दिवस पर एक आध्यात्मिक कवि सम्मेलन का आयोजन आचार्य भगवंत मुक्तिसागरसुरीश्वरजी महाराज के सानिध्य में जैन कवि संगम की मध्य प्रदेश इकाई द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय कवि अशोक भाटी रहे तथा अध्यक्षता जैन कवि संगम के प्रदेश अध्यक्ष सुगनचंद जैन ने की। कवि सम्मेलन का संचालन प्रख्यात हास्य कवि पंडित अशोक नागर ने किया। कार्यक्रम की संक्षिप्त जानकारी प्रदेश सचिव राजेंद्र जैन द्वारा दी गई। कार्यक्रम के शुभारंभ में सरस्वती वंदना कवि सुगनचंद जैन द्वारा प्रस्तुत की गई। कवि सम्मेलन के मध्य गुरुदेव मुक्तिसागरसुरीश्वर जी महाराज की उपस्थिति में प्रख्यात गीतकार हेमंत श्रीमाल को अभ्युदयपुरम ट्रस्ट मंडल द्वारा जैन कवि रत्न सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कवि राहुल शर्मा, राकेश जैन, विवेक शर्मा, जैनेंद्र खेमसरा, ऋषभ जैन महिदपुर, अजीत जैन ग्वालियर, ठाकुर देवेंद्र सिंह राव उदयपुर, राकेश चौरडिया, रवि नगाइच, संगीता तलेरा, डॉ अर्चना बाफना, डॉ खुशबू बाफना, डॉ मनोरमा जैन ग्वालियर, कमल पटेल, अनिल पांचाल सेवक, आनंद विष्णुशाली, देवी सिंह गुर्जर नागदा आदि ने काव्य पाठ किया। जैन कवि संगम द्वारा सभी कवियों को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। आभार प्रदेश सचिव राजेंद्र जैन ने व्यक्त किया।

महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियां हुई प्रारम्भ

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर के मुख्य शिखर की धुलाई व मंदिर रंग-रोगन (पुताई), कोटितीर्थ कुंड की सफाई, श्री गर्भगृह व अन्य परिसर आदि की सफाई की जा रही है। महाशिवरात्रि महापर्व 2025 दृष्टिगत रखते हुए श्री महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में रुद्रयंत्र व रजत दीवारों की सफाई का कार्य प्रारम्भ किया गया। श्री महाकालेश्वर मंदिर में शिवनवरात्रि - महाशिवरात्रि पर्व 2025 दिनांक 17 फरवरी से 26 फरवरी 2025 महाशिवरात्रि महापर्व तक मनाया जाएगा।

संत रविदास अवार्ड से सामाजिक कार्यकर्ता हुए सम्मानित

उज्जैन। सत रविदास का 648वीं जयंती शिक्षा विधायक फातिमा की आठवीं पुण्यतिथि एवं मानव अधिकार कार्यकर्ता एडवोकेट शाहिद आज़मी की स्मृति में महाकाल मार्ग स्थित अपंग आश्रमवासियों को दूध, ब्रेड, फल का वितरण किया गया एवं पौधारोपण किया गया।

सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष पंकज जायसवाल एवं संरक्षक सैयद अबीद अली मीर ने बताया कि इस वर्ष का संत रविदास अवार्ड सामाजिक कार्यकर्ता रईस अहमद, हयात फातिमा अवार्ड शिक्षाविद आसिफ जेदी, शाहिद आज़मी अवॉर्ड हाजी इकबाल को प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षाविद सादिक मंसूरी ने अपने उद्बोधन में कहा महापुरुषों का जीवन हमें प्रेरणा देता है हमें महापुरुषों के बताएं पथ चिन्हो पर चलकर ही सफलता हासिल होगी। विशेष अतिथि विनीत सोलंकी ने अपने उद्बोधन में कहा संस्था द्वारा समय-समय पर देश के स्वतंत्रता आंदोलन एवं अन्य महापुरुषों को याद किया जाता है यह भी एक प्रेरणादायक कार्य है। डॉ. शकील अंसारी ने अपने उद्बोधन में कहा संत रविदास का पूरा जीवन मानव कल्याण को समर्पित रहा शिक्षाविद हयात

उज्जैन में स्थाई कुंभ नगरी बसाने की योजना महत्वपूर्ण

प्रयागराज कुंभ से उज्जैन लौटे महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद गिरी

उज्जैन। सिहस्थ 2028 के लिए उज्जैन में स्थाई कुंभ नगरी बसाने की योजना महत्वपूर्ण हैद्य हरिद्वार में भी इसी प्रकार की व्यवस्था है, जिससे वहां हर बार कुंभ लगना बेहद आसान तथा साधु संत व भक्तों के लिए सुविधा पूर्ण रहता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदृष्टि हमेशा से उज्जैन के विकास का आधार रही हैद्य सिंहस्थ के लिए उनके मन में जो प्लानिंग चल रही है, वह आने वाले दिनों में मिल का पत्थर साबित होगी।

यह बात श्री पंचायती निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी शांति स्वरूपानंद गिरी जी महाराज ने प्रयागराज कुंभ से उज्जैन लौटने पर कही। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ क्षेत्र में हर बार सड़क, सीवरेज, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य कई सारे इंतजाम करना पड़ते हैंद्य इन अस्थाई इंतजाम पर करोड़ों रुपए खर्च होते हैं और बाद में इन्हें डिस्मेंटल करना पड़ता हैद्य एक बार उज्जैन में स्थाई कुंभ नगरी का निर्माण हो जाएगा, तो यह सारी व्यवस्था हमेशा के लिए उपलब्ध हो जाएगी।

इसमें साधु-संत अपने हिसाब से प्रवचन हाल, भोजनालय, वेद पाठशाला, गौशाला, भक्तों के रहने ठहरने के लिए कमरे, शौचालय, चिकित्सालय आदि का निर्माण कर लेंगे जो स्थाई रहेगाद्य इनका उपयोग सिंहस्थ के बाद भी 12 साल तक निरंतर किया जा सकेगाद्य इस पर तुरंत काम शुरू किया जाना चाहिए(

कम चलना पड़े ऐसी हो व्यवस्था

सिंहस्थ में भक्तों को कम से कम पैदल चलना पड़े इस प्रकार की व्यवस्था की जानी चाहिएद्य शिप्रा पर बड़ी संख्या में आने और जाने के लिए एक साथ दो दो ब्रिज के निर्माण होना चाहिए इससे यातायात काफी सुविधाजनक तरीके से होगाद्य

बड़नगर मार्ग को 6 लेन होना चाहिए

सिंहस्थ में आवागमन की सुविधा तथा साधु संतों की पेशवाई के लिए बड़नगर मार्ग को सिक्स लेन किया जाना चाहिएद्य क्योंकि यही मार्ग रहेगा जिससे हर अमृत स्नान के दिन साधु संतों की पेशवाई निकलेगी और उसे देखने के लिए हजारों भक्त मौजूद रहेंगेद्य इसलिए इस मार्ग का सिक्स लेन होना नितांत आवश्यक हैद्य बड़नगर, आगर और मक्सी रोड को फोरलेन किया जाना चाहिए।

पुलिस को प्रशिक्षण आवश्यक

प्रयागराज महाकुंभ में देखने में आया है कि जन दबाव बढ़ने पर कई स्थानों पर पुलिस भीड़ नियंत्रण नहीं कर पाईद्य इसके कारण हादसे हुए और कई लोगों की जान गई।

संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 648.वा जयंती पर निकाला चल समारोह

उज्जैन। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 648.वा जयंती बड़ी धूमधाम से श्री रविदास सेवक संघ द्वारा मनाई जा रही है। जयंती के उपलक्ष में चल समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। संस्था के सचिव राकेश सूर्यवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की जयंती पर श्री रविदास सेवक संघ द्वारा संस्था के अध्यक्ष मुकेश सूर्यवंशी खलीफा के नेतृत्व में एक विशाल समारोह चामुंडा माता चौराहा से शुरू हुआ। जो उज्जैन के प्रमुख मार्गो से होता हुआ छाया परिसर पर चल समारोह समाप्त हुआ। चल समारोह में समाज की महिला माथे के ऊपर कलश लेकर चल रही थी तो दूसरी ओर समाज के युवा और वरिष्ठ जन एकता का संदेश देते हुए चल रहे थे। रविदास जी की आकर्षक झांकियां बनाई गई थी। चल समारोह का सामाजिक संगठन द्वारा जगह-जगह स्वागत किया गया। चल समारोह समापन के बाद प्रेम छाया परिसर में समाज के वरिष्ठ सम्माननीय व्यक्तियों का सम्मान एवं समाज की प्रतिभावान बालक बालिकाओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही मंच पर समाज के बालक बालिकाओं द्वारा आकर्षक नृत्य प्रस्तुत दी गई। इसी दौरान संस्था का स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। अंत में सभी समाज जनों ने भंडारा व गुरु प्रसादी का लाभ लिया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com